

11 $\frac{01}{22}$

पभावली पेन हूँ। कमील पार्श्व को आवाज लगाई गई।
बार-बार आवाज लगाने के बावजूद भी कमील
पार्श्व न्यायालय में दालि नहीं होतें। ए आकेत
अ. धारा 251 A अदम दारी अदम पंखी
में अक्षरों में लिखा जात है। पभावली फिल
अगत होत अक्षर लेखक होकर दालिला
काल हूँ।

काल हूँ।